अनार की फसल के लिए सलाह (अगस्त-सितम्बर)

डॉ ज्योत्सना शर्मा, डॉ आशिस माइति, डॉ मल्लिकार्जुन, श्री दिनकर चौधरी, श्री युवराज शिंदे, श्री विजय लोखंडे

मीग बहार

अ. <u>पोषण तत्वो का प्रबंधन</u>

बाग़ की स्थिती - फुल और फलों की स्थापना अवधी

१. इस कालावधि में १.० से १.५ ग्राम प्रति लिटर सूक्ष्म पोषक तत्त्वों का छिडकाव करें ।

२. घुलनशील एन. पी. के. ००:५२:३४ (मोनो-पोटैशियम-फोस्फेट) की मात्रा ८.५ किलो/हे/समय ड्रिप सिंचाई द्वारा ७ दिन के अंतराल पर ३ बार देनी होगी ।

३. जिप्सम १.७० से १.८० किलो ग्राम की मात्रा में और मैग्नीशियम सल्फेट ७०० ग्राम / वृक्ष की मात्रा जमीन में दे और उसके तुरंत बाद पानी दे । मैग्नीशियम सल्फेट की मात्रा ड्रिप सिंचाई द्वारा दी जा सकती है ।

४. घुलनशील एन. पी. के. ००:५२:३४ (मोनो-पोटैशियम-फोस्फेट, यूरिया और ००:००:५० की मात्रा क्रमशः ८.५० किलो, २२.५० किलो और १६.३० किलो/हे/समय ड्रिप सिंचाई द्वारा ७ दिन के अंतराल पर ५ बार दे।

५. सूक्ष्म पोषक तत्त्वों का १.० से १.५ ग्राम प्रति लिटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें ।

६. जिब्रेलिक एसिड ५० पीपीएम् की मात्रा के दो स्प्रे १५ दिन के अंतराल में करने जरुरी है ।

ब. <u>किट प्रबंधन</u>

फल छेदक इली की अंडा अवस्था:अजाडेरिक्टिन / नीम का तेल १% (१००००पीपीए)३.५ मिली + ०.२५मिली स्प्रेडर-स्टीकर/लि पानी में मिलाकर या पोंगामिया का तेल (करंज बीज)३मिली + ०.२५मिली स्प्रीडर स्टिकर/लि मिलाकर या उपरोक्त ३ + ३मिली /लि. स्प्रेडर स्टिकर + ०.२५मिली/लीटर दोनों के एकसाथ मिलाकर स्प्रे करें।

फल छेदक इली की (इली अवस्था / फलपर छेद) :

सभी ख़राब फल निकालें और उन्हें एक गड्ढे में गाढ़ कर नष्ट करें और सिंट्रानिलिप्रोल ०.७५ मिली + ०.२५ मिली स्प्रेडर-स्टीकर/लिपानी या क्लोरानट्रानिलिप्रोल १८.५ एस.सी. ०.७५ मिली / लि + ०.२५ स्प्रेडर स्टिकर /लि की मात्रा में स्प्रे करें ।

हस्त बहार

अ. <u>पोषण तत्वो का प्रबंधन</u>

बाग़ की स्थिती - तनाव को छोड़ने की स्थिती

१. गोबर की खाद २५ से ३० किलोग्राम / पेड़ या गोबर की खाद १५ से २० किलोग्राम + वर्मीकम्पोस्ट २ किलोग्राम + नीम पाउडर २ किलोग्राम / पेड़ अच्छी तरह से मिट्टी में मिलाए या अच्छी तरह से विघटित मुर्गी का खाद ७.५ किलोग्राम + नीम पाउडर २ किलो / पेड़ अच्छी तरह से मिट्टी में मिलाकर दे ।

२. जिप्सम २.५से २.८किलोग्राम और मैग्नीशियम सल्फेट ८००ग्राम / पेड़ की मात्रा में मिट्टी में मिलाएं।

३. फायदेमंद जीवाणु तत्व जैसे की अज़ोस्पिरिलम, एस्परगिलस नाइगर, ट्राइकोडर्मा विरिडी और पेनिसिलियम पिनोफिलम १० से २०ग्राम पेड़ /की मात्रा में अच्छी तरह से विघटित गोबर की खाद के साथ मिलाकर छाया में रखे, इस मिश्रण में ६० %नमी को १५दिनों के लिए संतुलित रखे और फिर उस मिश्रण को पेड़ को डाले ।

४. आर्बस्क्युलर मायकोरायझा फुफुंद १० से १५ ग्राम / पेड़ (ए.एम.एफ. ग्लोमाज स्पेसीज) की मात्रा में डाले ।

५. खाद की मात्रा डालने के तुरंत बाद बगीचे को हल्का पानी दे ।

ब. कीट प्रबंधन

1. **ट्रैप इंस्टॉलेशन पहली सिंचाई के बाद :**१५ से ३० ट्रैप एकड़ इस /प्रमाण से पेड़ की ऊंचाई से १० से १५सेंटीमीटर नीचे पहले नीले और बाद में पीले स्टिक ट्रैप को बांधें और इसे कीटों द्वारा आच्छादित किए जाने के आधार पर या २० से २५ दिनों के अंतराल पर बदलें।
2. **नए पत्ते आने की स्थिती** :अजाडेरिक्टिन / नीम का तेल १% (१००००पीपीएम (३.५मिली + ०.२५मिली स्प्रेडर-स्टीकर/लि पानी में मिलाकर या पोंगामिया का करं)ज बीज तेल (३मिली + ०.२५मिली स्प्रीडर स्टिकर/लि मिलाकर या उपरोक्त ३ + ३मिली /लि. स्प्रेडर स्टिकर + ०.२५मिली/लीटर दोनों के एकसाथ मिलाकर स्प्रे करें।
3. पहले छिड़काव के ७ से १० दिन के अंतराल के बाद दूसरा छिडकाव करें । सिंट्रानिलिप्रोल ०.७५ मिली / लि + स्प्रेडर-स्टीकर ०.२५ मिली /लिपानी **या** क्लोरानट्रानिलिप्रोल १८.५ एस.सी. ०.७५ मिली / लि + स्प्रेडर स्टिकर ०.२५ मिली /लि की मात्रा में स्प्रे करें ।**या** फ्लुबेन्डामाइड १९.९२ % थाईक्लोप्रिड + डब्ल्यू / डब्ल्यू१९.९२ डब्ल्यू / डब्ल्यू %०.५मिली /लिस्प्रेडर स्टिकर + ०.२५मिली / लि की मात्रा में स्प्रे करें ।

4. **नेमाटोड संक्रमित क्षेत्रों में :**पहली सिंचाई के समय फ्ल्यून्सल्फोन २% ग्रैनुलर ४०ग्राम पेड़ / ड्रिपर के नीचे ५ से १०सेमी गहरे गड्ढों में डाले और दो साल से पुराने पौधों के लिए, पानी में ४०ग्राम /४ से ५लिटर पानी में घुलाकर कर पौधे के चारों ओर गोलाकार दें।

अम्बिया बहार :

अ. <u>पोषण तत्वो का प्रबंधन</u>

बगिचे की स्थिती : फल की कटाई और विश्रांती अवस्था

१. यदि पिछली फलों की छंटाई के बाद छंटाई नहीं की है, तो हल्की छंटाई की करनी चाहिए।
२. गोबर की खाद २५ से ३० किलोग्राम / पेड़ या गोबर की खाद १५ से २० किलोग्राम + वर्मीकम्पोस्ट २ किलोग्राम + नीम पाउडर २ किलोग्राम / पेड़ अच्छी तरह से मिट्टी में मिलाए या अच्छी तरह से विघटित मुर्गी का खाद ७.५ किलोग्राम + नीम पाउडर २ किलो / पेड़ अच्छी तरह से मिट्टी में मिलाकर दे ।
३. २०५ ग्राम नत्र (४४६ग्राम नीम कोटेड यूरिया /पेड़ (५०ग्राम स्फुरद (३१५ग्राम सिंगल सुपरफ़ॉस्फ़ेट /पेड़ और (१५२ग्राम पोटाशयह मात्रा प्रति पौधा)२५४ग्राम म्यूरेट ऑफ़ पोटाश या ३०४ग्राम सल्फेट ऑफ़ पोटाश /पेड़ (देने के तुरंत बाद बगीचे को हल्का पानी दे ।
४. फायदेमंद जीवाणु तत्व जैसे की अज़ोस्पिरिलम, एस्परगिलस नाइगर, ट्राइकोडर्मा विरिडी और पेनिसिलियम पिनोफिलम १० से २०ग्राम पेड़ /की मात्रा में अच्छी तरह से विघटित गोबर की खाद के साथ मिलाकर छाया में रखे, इस मिश्रण में ६० %नमी को १५दिनों के लिए संतुलित रखे और फिर उस मिश्रण को पेड़ को डाले ।

ब. कीट प्रबंधन

फल का रस चुसनेवाला पतंगा

१. बगीचे के बांध से गुलवेल (टीनोस्पोरा) को निकाल कर नष्ट करें ।
२. जुलाई के अंतिम सप्ताह या अगस्त के पहले सप्ताह में पॉलीप्रोपाइलीन की नॉनओवन बैग-(PPNW)के साथ फलों पंक्तियों को / पौधों /आच्छादित करें । यदि बैगिंग से पहले एक तैलीय दाग, मिली बग अदि कीट है तो आवशकता नुसार तो जीवाणुनाशक या कीटनाशक का स्प्रे करें।
३. यदि आच्छादन करने में देरी होने पर अजाडेरिक्टिन / नीम का तेल १% (१००००पीपीएम) ३.०मिली + फिश ऑईल रेझिन सोप ०.५ से १.० मिली / लि की मात्रा स्प्रे करे ।
४. फल मक्खियों का नुकसान: टोफुला खमीर / बैक्ट्रोसेरा डोर्सलिस ल्यूर के साथ मैकफेल ट्रैप बगीचे में लगाए और १५ से २० दिनों के अंतराल पर उसे बदलें।

पोषक तत्व	पत्तियों में उनके आवश्यक अनुपात
नत्रजन (%)	१.३२ - २.१५
फॉस्फोरस (%)	०.१८ - ०.२४
पोटाश (%)	१.२९ - १.९९
कॅल्शियम (%)	०.६४ - १.२०
मॅग्नीशियम (%)	०.२३ - ०.४५

नोट :

1) उपरोक्त एन. पी. के. अनुशंसित पत्तियों के परीक्षण रिपोर्ट की इष्टतम श्रेणी नुसार हैं। यदि एक घटक इष्टतम सीमा से कम है, तो उपरोक्त सिफारिश को २५ % तक बढ़ाने की सिफारिश की जाती है।

अनार की फसल के महत्वपूर्ण रोग

फलों के ऊपर कोलेटोट्रायकम के धब्बे

स्पेसिलोमा स्केब

फलों पे सर्कोस्पोरा के धब्बे

तैलीया दाग के कारण फलों का फटना

मुरझान रोग के प्राथमिक लक्षण

ड्रेचिंग की उचित विधि

सभी बहार के रोगों के प्रबंधन के लिए

बैक्टीरियल ब्लाइट संक्रमित फलों पर स्प्रे के लिए

(७ से १० दिन के अंतराल में)

बोर्डो मिश्रण (केवल०.५% मात्रा में और छटाई के तुरंत बाद१% मात्रा में)

उसके बाद

स्ट्रेप्टोसायक्लिन (५ग्राम/१० लिटर पानी)

या

२-ब्रोमो, २-नायट्रो प्रोपेन -१,३-डायओल (ब्रोनोपोल) ५ग्राम / १०ली

+

कॉपर ऑक्सीक्लोराइड किंवा कॉपर हायड्रोक्साईड (२०-२५ग्राम / १०ली)

+

स्प्रेडरस्टिकर (५ मिलि/१०लि)

बगीचे में फुफुंदजन्य रोगों के आधार पर कॉपर आधारित फुफुन्द्नाशक मेंउचित परिवर्तन किए जा सकता हैं।

सॅलिसीलिकएसिड के ०.३ ग्रॅम /ली की मात्रा में ४ स्प्रे करें ।

सूक्ष्म पोषक तत्त्वों के ४स्प्रे करे ।

बैक्टीरियल ब्लाइट संक्रमितबगीचे के लिए आपातकालीन प्रबंधन

अनार के हरे फलों पर बैक्टीरियल ब्लाइट धब्बों की संक्रमण के तुरंत बाद ४दिनों के अंतराल पर १ से २ छिड़काव करें।

१. स्ट्रेप्टोसाइक्लिन (५ग्राम / १०लि) + ब्रोनोपोल (५ग्राम/ १०लि) + **कोसाइड(२०ग्राम/ १०लि)** + स्प्रेडर स्टिकर (५मिलि / १०लि).
२. स्ट्रेप्टोसाइक्लिन (५ ग्राम/ १०लि) + ब्रोनोपोल (५ग्राम/ १०लि) + **कार्बेंडाझिम (१०ग्राम/ १०लि)** + स्प्रेडर स्टिकर (५ मिली / १०लि)

चेतावनी

- केवल अनुशंसित रूप से आवश्यक नुसार ही स्प्रे लें ।
- स्प्रे की कुल संख्या कम करें ।
- बारिश के बाद अतिरिक्त स्प्रे लें।
- बोर्डो मिश्रण के अलावा बाकी सभी स्प्रे में नॉन आयनिक स्प्रेडर स्टिकर का उपयोग करें।
- प्रत्येक स्प्रे से पहले सभी जीवाणु दाग / सड़े हुए फलों को निकालें और जलाएं ।
- बोर्डो मिश्रण को ताजा ही तैयार करें और उसी दिन उसका का उपयोग करें ।
- स्प्रे करने समय सूरज ढलने के बाद का रखे ।

विश्राम अवस्था के दौरान

(१० से १५दिन के अंतराल पर)

१%बोर्डो मिश्रण का स्प्रे लें ।

या

कॉपर ऑक्सीक्लोराईड या कॉपर हायड्रोक्साईड याउचित फुफुन्दनाशक (२०-२५ग्राम / १०लि) + स्प्रेडर स्टिकर (५ मिली / १०लि)

अनार के स्कैब्स, स्पॉट और सडन के लिए कुछ उपयोगी फुफुन्दनाशक

१.मंडिप्रोपॅमिड २३.४% एससी१ मिली / लि

२. प्रोपिकोनाझोल २५% ईसी१ मिली / लि + झोक्सीस्ट्रॉबिन १ मिली / लि

३. अझोक्सिस्ट्रोबिन २०% + डिफिनेकोनाझोल १२.५% एससी २ मिली / लि

४. क्लोरोथॅलोनिल ५०% + मेटालाझक्झिल एम ३.७५% २ मिली / लि

५. बोर्डो मिश्रण ०.५%

6. ट्रायसाइक्झोल १८% + मॅन्कोझेब ६२% डब्ल्यूपी २.०-२.५ ग्रॅम / लि

7. क्लोरोथॅलोनिल ७५% डब्ल्यूपी २ ग्रॅम / लि

8. प्रोपिकोनाझोल१ मिली / लि

9.क्लोरोथलोंनील ७५%डब्ल्यू पी @2 ग्रॅम/लि

10.प्रोपीकोनाझोल १ मिली /लि

१.वरीलपैकी कोणत्याही२बुर्शिनाशकाच्याफुलधारना आणि फळधारनेच्याकालावधित 15 दिवसांच्या अंतराने

फवारन्या केल्यास चांगला फायदा होतो.तसेचपुढील काळात अनेक फवारण्या टाळता येतात.

२.बोर्डो मिश्रण वगळता नेहमीच फवारनितस्प्रेडर स्टीकर वापरा.

३.अवशकतेनुसारच फवारण्या नंतर केल्या पाहिजेत.

४.हंगामात कॉपरजन्यबुरशीनाशकांशिवाय कोणत्याही कीडकनाशकाचा वापर 2 पेक्षा जास्त वेळा करु नये.

मुरझान रोग का प्रबंधन

 # सूचना

कटाई के बाद विश्राम अवधी के दौरान या फसल के शुरुआती चरणों में ड्रेचिंग को प्राथमिकता दें।

निम्न विधियों में से केवल एक का उपयोग करें

- पहली ड्रेचिंग प्रोपिकोनाझोल २५%२मिली/लि+ क्लोरपायरीफॉस २ मिली/ लि (१०लि सोल्यूशन)से करें ।पहले ड्रेचिंग के३०दिन बाद ॲस्परजिलस नायजर एएन २७ बुरशी५ग्रॅम / पेड़और २ किलो गोबर की खाद उसके ३०दिन बाद व्हीएएमबुरशी (वेसिक्युलर आर्बस्क्युलर मायकोरायझा - राइझोफॅगसइररेगुलरिस) २५ग्रॅम / पेड़ और२ किलो गोबर की खाद का उपयोग करें

या

- टिल्ट (प्रोपिकोनाझोल २५%) २ मिली/ लि + क्लोरपायरीफॉस २मिली (२०दिन के अंतराल पर ३ड्रेचिंगकरें)

या

- पहलीड्रेचिंग फोसेटिल ए एल ८०% डब्ल्यूपी ६ ग्रॅम / पेड़ (१०लिपानी के साथ)] [दूसरीड्रेचिंग टेब्यूकोनाझोल २५.९% डब्ल्यू / डब्ल्यू ईसी ३ मिली /पेड़ (१०लिपानी के साथ)] [तीसरीड्रेचिंग फोसेटिल ए एल ८०% ६ग्रॅम / पेड़ (१०लिपानी के साथ)] [४थी ड्रेचिंग टेब्यूकोनाझोल २५.९% ३ मिली / पेड़ (१०लिपानी के साथ)] (२०दिन के अंतराल पर ड्रेचिंगकरें)

बायोफ़ॉर्मुलेशन एस्परगिलस नाइगर एएन २७ फफुंद के फायदे

1. एस्परगिलस नाइगर का उपयोग करके जैविक खाद का पेटेंट प्राप्त करने वाला दुनिया का एकमात्र बायोफोर्मुलेशन
2. नेमाटोड सहित सभी प्रकार के रोगजन्य जीवाणु को नियंत्रित करती है।
3. सभी प्रकार की जलवायु, मिट्टी और पानी की स्थिति में काम करता है।
4. जैसे ही लाभकारी पेड़ हार्मोन जारी करते हैं, पौधे की वृद्धि, फूल और फल उत्पादन को बढ़ावा दिया जाता है।
5. पौधों में रोगों और अन्य तनाव के प्रति प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।
6. ऍस्परजिलस नायजर ए एन 27 को और व्हीएएम कवक (वेसिक्युलर आर्बस्क्युलर मायकोरायझा-राइझोफॅगस इररेगुलरिस) जिसे पहले)ग्लोमस इंट्राराडिसके रूप में जाना जाता हैके बीच (समानता है।
7. VAM कवक अनार की जड़ों में स्थापित है और पानी के तनाव की स्थिति में मदद करता है।
8. दोनों कवक फॉस्फेट पानी में घुलनशील हैं।

संक्षिप्त जानकारी के लिए कुछ महत्वपूर्ण लिंक :- उपरोक्त लिंक का उपयोग उपरोक्त रोगों और निदान के बारे में अधिक जानकारी के लिए।

- केमिकल की ऍडॉक तालिका http://nrcpomegranate.icar.gov.in/files/Advisory/30.pdf
- आय डी आय पी एम शेड्यूल. http://nrcpomegranate.icar.gov.in/files/Advisory/12.pdf
- मुरझान रोग प्रबंधनhttp://nrcpomegranate.icar.gov.in/files/Advisory/34.pdf